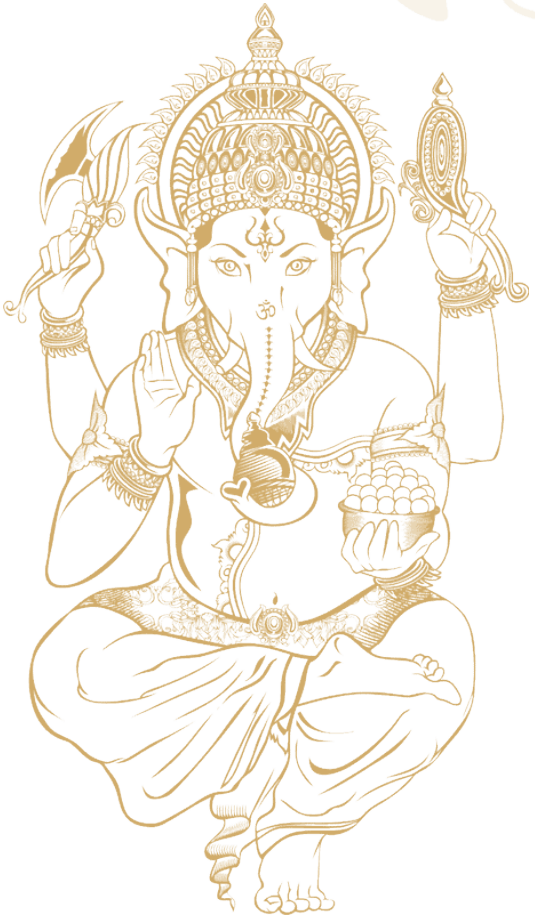

Mr. Anil parkash

13 Jun 1946

07:45 AM

Jamshedpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120554903

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/06/1946**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**07:45:00 घंटे**
इष्ट	06:52:57 घटी
स्थान	**Jamshedpur**
राज्य	Jharkhand
देश	India

अक्षांश	22:47:00 उत्तर
रेखांश	86:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:14:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:59:48 घंटे
वेलान्तर	00:00:16 घंटे
साम्पातिक काल	01:23:00 घंटे
सूर्योदय	04:59:49 घंटे
सूर्यास्त	18:30:25 घंटे
दिनमान	13:30:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	28:21:57 वृष
लग्न के अंश	04:38:52 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्ध
करण	गर
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	04:38:52	315:42:29	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	---
सूर्य			वृष	28:21:57	00:57:18	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	10:02:46	11:47:54	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	नीच राशि
मंगल			सिंह	02:49:16	00:33:21	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			मिथु	12:51:27	01:55:34	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	स्वराशि
गुरु	व		कन्या	24:21:07	00:00:18	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	00:48:58	01:11:28	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
शनि			कर्क	00:31:59	00:06:59	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		वृष	27:41:44	00:00:04	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	27:41:44	00:00:04	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			वृष	24:41:55	00:03:33	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
नेप	व		कन्या	12:44:26	00:00:08	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			कर्क	16:54:20	00:01:16	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	---
दशम भाव			मीन	29:19:39	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:06:15

लग्न-चलित

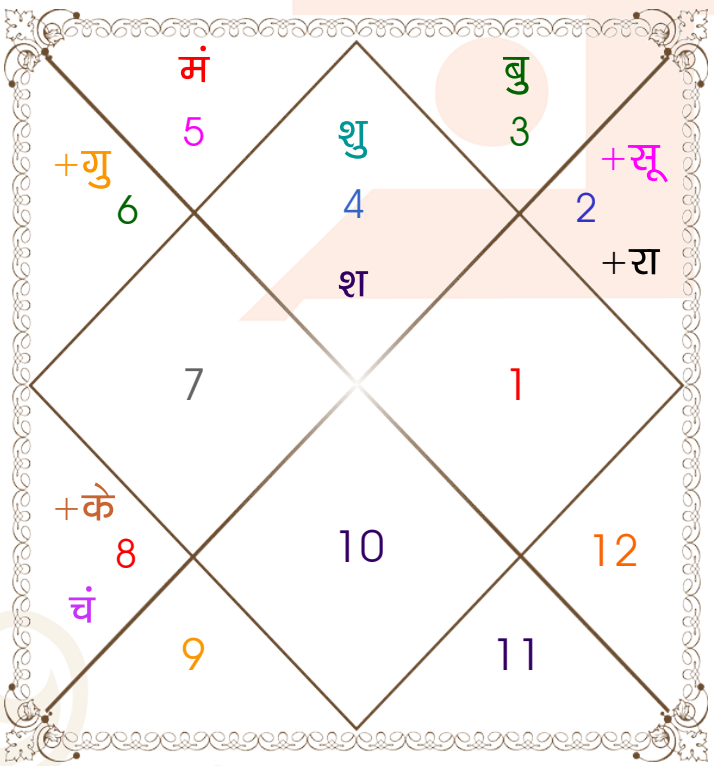

चन्द्र कुंडली

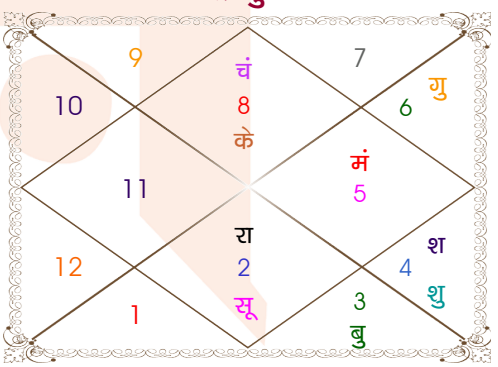

नवमांश कुंडली

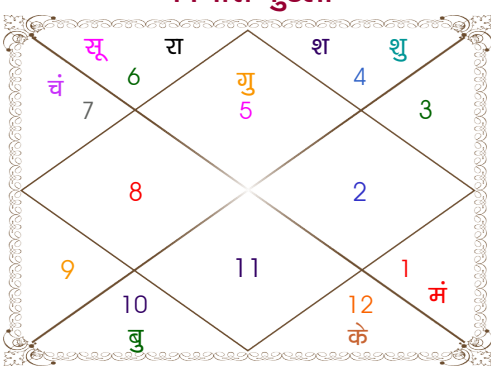

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 9 वर्ष 5 मास 6 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
13/06/1946		19/11/1955		18/11/1972		19/11/1979		19/11/1999	
19/11/1955		18/11/1972		19/11/1979		19/11/1999		18/11/2005	
	00/00/0000	बुध	16/04/1958	केतु	16/04/1973	शुक्र	20/03/1983	सूर्य	07/03/2000
	00/00/0000	केतु	14/04/1959	शुक्र	16/06/1974	सूर्य	19/03/1984	चंद्र	06/09/2000
	13/06/1946	शुक्र	11/02/1962	सूर्य	22/10/1974	चंद्र	18/11/1985	मंगल	12/01/2001
शुक्र	09/11/1946	सूर्य	19/12/1962	चंद्र	23/05/1975	मंगल	18/01/1987	राहु	06/12/2001
सूर्य	22/10/1947	चंद्र	19/05/1964	मंगल	19/10/1975	राहु	18/01/1990	गुरु	25/09/2002
चंद्र	23/05/1949	मंगल	17/05/1965	राहु	06/11/1976	गुरु	18/09/1992	शनि	07/09/2003
मंगल	01/07/1950	राहु	04/12/1967	गुरु	13/10/1977	शनि	19/11/1995	बुध	13/07/2004
राहु	07/05/1953	गुरु	11/03/1970	शनि	21/11/1978	बुध	19/09/1998	केतु	18/11/2004
गुरु	19/11/1955	शनि	18/11/1972	बुध	19/11/1979	केतु	19/11/1999	शुक्र	18/11/2005

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
18/11/2005		19/11/2015		18/11/2022		18/11/2040		18/11/2056	
19/11/2015		18/11/2022		18/11/2040		18/11/2056		00/00/0000	
चंद्र	19/09/2006	मंगल	16/04/2016	राहु	01/08/2025	गुरु	06/01/2043	शनि	22/11/2059
मंगल	20/04/2007	राहु	04/05/2017	गुरु	25/12/2027	शनि	19/07/2045	बुध	01/08/2062
राहु	19/10/2008	गुरु	10/04/2018	शनि	31/10/2030	बुध	25/10/2047	केतु	10/09/2063
गुरु	18/02/2010	शनि	20/05/2019	बुध	20/05/2033	केतु	30/09/2048	शुक्र	13/06/2066
शनि	19/09/2011	बुध	16/05/2020	केतु	07/06/2034	शुक्र	01/06/2051		00/00/0000
बुध	17/02/2013	केतु	12/10/2020	शुक्र	07/06/2037	सूर्य	19/03/2052		00/00/0000
केतु	18/09/2013	शुक्र	13/12/2021	सूर्य	02/05/2038	चंद्र	19/07/2053		00/00/0000
शुक्र	20/05/2015	सूर्य	19/04/2022	चंद्र	31/10/2039	मंगल	25/06/2054		00/00/0000
सूर्य	19/11/2015	चंद्र	18/11/2022	मंगल	18/11/2040	राहु	18/11/2056		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 9 वर्ष 5 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझे जाएंगे। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगे। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करते हो। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगे। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करोंगे तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगे। आपको धर्मस्थलों/धार्मिक तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगे। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगे।

आप शारीरिक रूप से लम्बे, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगे। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकते हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देते हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाते हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेते हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेते हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपनी पत्नी से सम्बंधित रहेंगे। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगे।

आप अपना विवाह सुयोग्य गृहणी के साथ करने की प्राथमिकता देंगे ताकि अच्छे सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगीनी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो। आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना, सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी। आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाल, एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।